सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम राज्यमंत्री कार्यालय
उद्योग भवन, नई दिल्ली।

विदित हो कि खादी क्षेत्र में उत्पादकता वृद्धि एवं आर्टिजन की मजदूरी दो प्रमुख समस्याएं रही हैं और इसलिए Roving stage से लेकर वस्त्र उत्पादन के प्रत्येक चरण में उत्पादकता वृद्धि हेतु लागत में कमी (Cost cutting) चिन्ता का विषय रहा है। Central Sliver Plants जो खादी संस्थानों में कच्चे माल पूनी (Roving) की आपूर्ति मुख्य स्रोत रहा है, जहां उत्पादन दर कई कारणों से मिल की तुलना में प्रतिस्पर्धात्मक नहीं रहा है।

तत्संबंधी विशेषज्ञों से विचार-विमर्श के क्रम में मा0 मंत्री महोदय को ज्ञात हुआ कि इसके पीछे मुख्य वजह वहां कार्यरत कर्मियों की असंगत (Disproportionate) संख्या रही है और उनकी न्यूनतम मजदूरी मिल की तुलना में लगभग 3-4 गुना होना बताया गया है। चूंकि यह अधिभार उत्पादन लागत में add-on हो जाता हैं, अतः इस संबंध में निम्नांकित तथ्य विचारणीय हैं:-

1. कुल 6 CSPs में कार्यरत कर्मी highly paid है, उनकी जगह यदि केवल 25 कर्मियों को retain किया जाए और बाकी कर्मचारियों को स्थानीय बाजार से Out Source कर लिया जाए तो वेतन के रूप में यह अधिभार न्यूनतम स्तर पर लाया जा सकता है।
2. 135 छटनीग्रस्त कर्मियों को केवीआईसी के अन्य संस्थानों में एक-दो की संख्या में उपलब्ध रिक्ति के विरूद्ध आसानी से समावेशित किया जा सकता है।
3. वेतन के रूप में इस अधिभार के कम होने से Roving का लागत मूल्य (Cost of Production) मिल की तुलना में प्रतिस्पर्धात्मक हो जाएगा और सम्पूर्ण खादी वस्त्र उत्पादन के Value chain में केवल इस कदम से रू. 20 प्रति किलोग्राम की कमी लाई जा सकेगी।

निदेशानुसार कृपया इस दिशा में सत्यापन/समीक्षोपरान्त आवश्यक कदम उठाए जाएं ताकि CSP को उत्पादकता (productivity) और कार्यक्षमता (Efficiency) में चिरस्थायी (self-sustainable) बनाया जा सके।

OFFICE OF THE MOS MSME
Dy. No. 168/F
Date 20/11/15

20/11/15

(सुधांशु कुमार)
मा0 राज्यमंत्री के निजी सचिव
20.11.2015

सचिव (एमएसएमई)

अध्यक्ष (केवीआईसी)

सीईओ (केवीआईसी)

ये बहुत ही अच्छा सुझाव है, इस पर कार्यवाई की जाए।

20/11

अरुण कुमार झा
मुख्य कार्यकारी अधिकारी
ARUN KUMAR JHA
CHIEF EXECUTIVE OFFICER

CEO : 3305
Dt. 24/11/15

Dy. CEO (Khadi)

Dir (Adm) 24/11/15

ADM-II

DD(E) ...

AD/Spl ... 23/11/15